



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 454]

नई दिल्ली, सोमवार, मार्च 16, 2009/फाल्गुन 25, 1930

No. 454]

NEW DELHI, MONDAY, MARCH 16, 2009/PHALGUNA 25, 1930

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

(केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 16 मार्च, 2009

आय-कर

का.आ. 740(अ).—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 199 की उप-धारा, (3) और धारा 206ग की उप-धारा (4) के साथ पठित धारा 295 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आय-कर नियम, 1962 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाता है, अर्थात् :-

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम आय-कर (छठवाँ संशोधन) नियम, 2009 है।

(2) ये 1 अप्रैल, 2009 से प्रवृत्त होंगे।

2. आय-कर नियम 1962 में,—

(क) नियम 37ख के पश्चात् निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

“धारा 199 के प्रयोजनों के लिए स्रोत पर कटौती किए गए कर के लिए मुजरा

37खक (1) अध्याय 17 के उपबंधों के अनुसार स्रोत पर कटौती किए गए कर और केन्द्रीय सरकार को संदत्त किए गए कर के लिए मुजरा, उस व्यक्ति को जिसको संदाय किया गया है या मुजरा

दिया गया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् व्यक्ति, जिससे कटौती की गई है, कहा गया है) कटौतीकर्ता द्वारा आयकर प्राधिकारी या ऐसे प्राधिकारी द्वारा प्राधिकृत व्यक्ति को प्रस्तुत की गई कर की कटौती से संबंधित जानकारी के आधार पर दिया जाएगा।

(2) (i) यदि वह आय जिस पर स्रोत पर कर की कटौती की गई है वह व्यक्ति जिससे कटौती की गई है से भिन्न किसी व्यक्ति के हाथ में निर्धारण योग्य है, तो स्रोत पर कटौती किए गए कर के लिए मुजरा अन्य व्यक्ति को दिया जाएगा उस दशा में जहां—

(क) व्यक्ति जिससे कटौती की गई है की आय धारा 60, धारा 61, धारा 64, धारा 93 या धारा 94 के उपबंधों के अधीन अन्य व्यक्ति की कुल आय में सम्मिलित है।

(ख) व्यक्ति जिससे कटौती की गई है की आय जब वह व्यक्तियों का संगम या न्यास है यथास्थिति संगम के सदस्यों के हाथ में या न्यासियों के हाथ में निर्धारणीय है।

(ग) व्यक्ति जिससे कटौती की गई है के नाम में धारित किसी आस्ति से आय जब वह किसी फर्म का भागीदार है या अविभक्त हिंदू कुटुंब का कर्ता है यथास्थिति फर्म या अविभक्त हिंदू कुटुंब की आय के रूप में निर्धारणीय है।

(घ) व्यक्ति जिससे कटौती की गई है के नाम से धारित किसी संपत्ति, निक्षेप, प्रतिभूति, यूनिट या शेयर से जो कटौती किए जाने वाले व्यक्ति या किन्हीं अन्य व्यक्तियों के संयुक्त रूप से स्वामित्व में है, आय और उनके हाथ में उसी अनुपात में जिसमें आस्ति का उनका समानुपात है निर्धारणीय है :

- परंतु यह कि व्यक्ति जिससे कटौती की गई है कटौतीकर्ता को घोषणा फाइल करेगा और कटौतीकर्ता उपनियम (1) में निर्दिष्ट कर कटौती सूचना के संबंध में किसी अन्य व्यक्ति के नाम में कर कटौती की रिपोर्ट करेगा।
- (ii) खण्ड (i) के अधीन व्यक्ति जिससे कटौती की गई है द्वारा फाइल की गई घोषणा में, उस व्यक्ति का नाम, पता, स्थायी लेखा संख्या जिससे मुजरा किया गया है, भुगतान या उसके संबंध में मुजरा जिसको किया गया है और ऐसे व्यक्ति को मुजरा किए जाने के कारण अंतर्विष्ट होंगे।
- (iii) कटौतीकर्ता उस व्यक्ति के नाम में, जिसके नाम, उप-नियम (1) में निर्दिष्ट कर की कटौती के संबंध में सूचना में मुजरा दर्शित किया गया है, स्रोत पर कर कटौती के लिए प्रमाणपत्र जारी करेगा और घोषणा को अपनी सुरक्षित अभिरक्षा में रखेगा।
- (3) (i) स्रोत पर काटे गए कर और केन्द्रीय सरकार को संचित किए गए कर के लिए मुजरा उस निर्धारण वर्ष के लिए किया जाएगा, जिसके लिए ऐसी आय का निर्धारण किया गया है।
- (ii) जहां कर स्रोत पर काटा जा चुका है और केन्द्रीय सरकार को संचित हो चुका है तथा आय कई वर्षों के लिए निर्धारण योग्य है और स्रोत पर काटे गए कर के लिए मुजरा उन वर्षों के लिए उसी अनुपात में जिसमें आय का कर के लिए निर्धारण किया गया है, अनुज्ञेय होगा।
- (4) स्रोत पर काटे गए कर और केन्द्रीय सरकार के खाते में संचित मुजरा निम्नलिखित आधार पर :-
- (i) आय-कर प्राधिकारी या ऐसे प्राधिकरण द्वारा प्राधिकृत किसी व्यक्ति को कटौतीकर्ता द्वारा दिए गए कर की कटौती से संबंधित सूचना और
- (ii) प्रत्यय के दावे के संबंध में आय की विवरणी में सूचना समय-समय पर बोर्ड द्वारा विनियमित जोखिम प्रबंधन नीति के अनुसरण में सत्यापन के अध्यक्षीन अनुदत्त होगा।"
- (ख) नियम 37(ज) के पश्चात् निम्नलिखित नियम अंतस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-
- "धारा 206 की उप-धारा (4) के प्रयोजनों के लिए स्रोत पर संग्रहित कर के लिए मुजरा
- 37झ (1) स्रोत पर संग्रहित कर के लिए जमा और अधिनियम की धारा 206ग के उपबधों के अनुसार केन्द्रीय सरकार को संचित कर के लिए मुजरा उस व्यक्ति को जिससे आयकर प्राधिकारी या ऐसे प्राधिकारी द्वारा प्राधिकृत व्यक्ति को स्रोत पर कर के संग्रहण के लिए उत्तरदायी व्यक्ति (जिसे इसमें इसके पश्चात् कलक्टर कहा गया है) द्वारा दिए गए कर के संग्रहण के संबंध में सूचना के आधार पर संग्रहित किया जा चुका है, को किया जाएगा।
- (2)(i) जहां स्रोत पर कर संग्रहित किया गया है और केन्द्रीय सरकार को संचित कर दिया गया है ऐसे कर के लिए मुजरा उस निर्धारण वर्ष के लिए किया जाएगा जिसके लिए कर का निर्धारण किया गया है
- (ii) जहां कर स्रोत पर संग्रहित किया गया है और केन्द्रीय सरकार को संचित किया गया है तथा लीज या अनुज्ञप्ति एक वर्ष से अधिक के लिए संबंधित है, स्रोत पर संग्रहित कर के लिए मुजरा उन वर्षों के जिनके लिए लीज या अनुज्ञप्ति उसी अनुपात में है।
- (3) स्रोत पर संग्रहित कर और केन्द्रीय सरकार के लेखा में संचित मुजरा निम्नलिखित आधार पर :-
- (i) आय कर प्राधिकारी या ऐसे प्राधिकरण द्वारा प्राधिकृत किसी व्यक्ति को कलक्टर द्वारा दिए गए कर के संग्रहण से संबंधित सूचना ; और
- (ii) प्रत्यय के दावे के संबंध में आय की विवरणी में सूचना समय-समय पर बोर्ड द्वारा विनियमित जोखिम प्रबंधन नीति के अनुसरण में सत्यापन के अध्यक्षीन अनुदत्त होगा।"
- [अधिसूचना सं. 28/2009/फा. सं. 133/93/2008-टीपीएल]
वी. विजय बाबू, अवर सचिव
- टिप्पण : मूल नियम का.आ. 969(अ) तारीख 26 मार्च, 1962 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और अंतिम संशोधन आयकर (पाँचवाँ संशोधन), नियम, 2009 अधिसूचना सं. का.आ. 655(अ), तारीख 12-3-2009 द्वारा किया गया था।
- MINISTRY OF FINANCE**
(Department of Revenue)
(CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES)
NOTIFICATION
New Delhi, the 16th March, 2009
INCOME TAX
- S.O. 740(E).**— In exercise of the powers conferred by Section 295 read with sub-section (3) of Section 199 and sub-section (4) of Section 206C of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following rules further to amend the Income-tax Rules, 1962, namely :—
1. (1) These rules may be called the Income-tax (6th Amendment) Rules, 2009.
- (2) They shall come into force with effect from the 1st day of April, 2009.

2. In the Income-tax Rules, 1962,—

(A) after rule 37B, the following rule shall be inserted, namely:—

“Credit for tax deducted at source for the purposes of section 199.

37BA. (1) Credit for tax deducted at source and paid to the Central Government in accordance with the provisions of Chapter XVII, shall be given to the person to whom payment has been made or credit has been given (hereinafter referred to as deductee) on the basis of information relating to deduction of tax furnished by the deductor to the income-tax authority or the person authorised by such authority.

(2)(i) If the income on which tax has been deducted at source is assessable in the hands of a person other than the deductee, credit for tax deducted at source shall be given to the other person in cases where—

- (a) the income of the deductee is included in the total income of another person under the provisions of section 60, section 61, section 64, section 93 or section 94;
- (b) the income of a deductee being an association of persons or a trust is assessable in the hands of members of the association of persons, or in the hands of trustees, as the case may be;
- (c) the income from an asset held in the name of a deductee, being a partner of a firm or a karta of a Hindu undivided family, is assessable as the income of the firm, or Hindu undivided family, as the case may be;
- (d) the income from a property, deposit, security, unit or share held in the name of a deductee is owned jointly by the deductee and other persons and the income is assessable in their hands in the same proportion as their ownership of the asset:

Provided that the deductee files a declaration with the deductor and the deductor reports the tax deduction in the name of the other person in the information relating to deduction of tax referred to in sub-rule (1).

(ii) The declaration filed by the deductee under clause (i) shall contain the name, address, permanent account number of the person to whom credit is to be given, payment or credit in relation to which credit is to be given and

reasons for giving credit to such person.

(iii) The deductor shall issue the certificate for deduction of tax at source in the name of the person in whose name credit is shown in the information relating to deduction of tax referred to in sub-rule (1) and shall keep the declaration in his safe custody.

(3)(i) Credit for tax deducted at source and paid to the Central Government, shall be given for the assessment year for which such income is assessable.

(ii) Where tax has been deducted at source and paid to the Central Government and the income is assessable over a number of years, credit for tax deducted at source shall be allowed across those years in the same proportion in which the income is assessable to tax.

(4) Credit for tax deducted at source and paid to the account of the Central Government shall be granted on the basis of—

(i) the information relating to deduction of tax furnished by the deductor to the income-tax authority or the person authorised by such authority; and

(ii) the information in the return of income in respect of the claim for the credit, subject to verification in accordance with the risk management strategy formulated by the Board from time to time.”

(B) after rule 37H, the following rule shall be inserted, namely:

“Credit for tax collected at source for the purposes of sub-section (4) of section 206C.

37 I. (1) Credit for tax collected at source and paid to the Central Government in accordance with provisions of section 206C of the Act, shall be given to the person from whom the tax has been collected, on the basis of the information relating to collection of tax furnished by the person responsible for collection of tax at source (hereinafter referred to as the collector) to the income-tax authority or the person authorised by such authority.

(2)(i) Where tax has been collected at source and paid to the Central Government, credit for such tax shall be given for the assessment year for which the income is assessable to tax.

(ii) Where tax has been collected at source and paid to the Central Government and the lease or license is relatable to more than one year, credit for tax collected at source shall be allowed across those years to which the lease or license relates in the same proportion.

- (3) Credit for tax collected at source and paid to the account of the Central Government shall be granted on the basis of—
- (i) the information relating to collection of tax furnished by the collector to the income-tax authority or the person authorised by such authority; and
- (ii) the information in the return of income in respect of the claim for the credit,
- subject to verification in accordance with the risk

management strategy formulated by the Board from time to time.”

[Notification No. 28/2009/F.No. 133/93/2008-TPL]

V. VIZAY BABU, Under Secy.

Note :—The principal rules were published *vide* notification Number S.O. 969(E), dated the 26th March, 1962 and last amended by Income-tax (Fifth, Amendment) Rules, 2009 *vide* notification number S.O. 655(E), dated the 12th March, 2009.